

FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 15)

अज्ञ अदालत \_\_\_\_\_ मुकाम \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ बनाम \_\_\_\_\_  
 किस मुकदमा \_\_\_\_\_ नं. \_\_\_\_\_ सन् \_\_\_\_\_

तारीख हुक्म \_\_\_\_\_ हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज \_\_\_\_\_ नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुये \_\_\_\_\_


17.6.25 वकील सायलान एवं श्री सायल संख्या 8 उपस्थित श्री सायल संख्या 1006 (एच) एवं उनके वकील उपस्थित नहीं। इन्हें कई बार आवाज लगाई गई कोई हाजिर जमान नहीं आया। अतः श्री सायल संख्या 1006 के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाने (आती है) पर्याप्त वास्तु बरस प्रणप्त दिनांक 20.6.25 को पेश है।

**सपक्षपादाधिकारी पदेन**  
 सहायक कलेक्टर मुख्यालय  
 श्रीलपुर (राजपू)

20.6.25 वकील सायलान एवं श्री सायल संख्या 8 उपस्थित प्रणप्त पर बरस सुनी गई। वकील सायलान ने कथन किया कि बूलवास बरसों इकाई निषेधाज्ञा का है। अतः प्रार्थना पर श्री सायलान को आदेश निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाने का निर्देश किया है। श्री सायलान का विवादित आशपी बरस नम्बर 1452/218 है। से कोई सम्बन्ध सायलान नहीं है, श्री सायलान की विवादित आशपी 1453/218 है। और श्री सायलान ने सायलान को बरस की ही की वं 1452/218 को श्री सायलान को विरुद्ध कर दे अन्तर्गत अवरोधनी कठका करे के। इसलिए श्री सायलान को पाबंद किया जावे।  
 वकील-परिवारी ने कथन किया कि

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुये
----------------	----------------------------------	---

गौरायाल ने कभी कोई धार्मिक साधना  
 को नहीं दी। साधना का श्रावण सत्यप  
 स्वरूप किया जावे।  
 पत्रावली का अकलोकन किया  
 विवाशिन अराजी 1452/218 वाके प्राप्त  
 पुरानी दावनी तहसील व जिला धौलपुर  
 पर इन्धपदक को मूलवाद के निस्तारण तक  
 अस्थाई विवे धाहा से बाँवद किया जावे  
 ही पत्रावली के संलक्षणा केवल संलग्न मूलवाद

  
 उपखण्डाधिकारी पबेन  
 सहायक कलेक्टर मुख्यालय  
 धौलपुर (राज.)